वर्ष 28 अंक 245
Pages 12
**Bareilly**, Wednesday, 17 **May 2017**
**BAREILLY EDITION**
Within Bareilly City- ₹ 2/-
Outside Bareilly City- ₹ 3/-

दैनिक जागरण

inext

**PAGE NO 06 : MIDDLE RIGHT**

# ...तो भारत में लौट आएगा प्राकृतिक खेती का युग

» केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णा राज ने कहा, प्राकृतिक खेती में सबका भला

bareilly@inext.co.in

**BAREILLY (16 May):** किसानों की आय दोगुनी करने में 'दैनिक जागरण' का आधुनिक अन्नदाता अभियान मंगलवार को मील का पत्थर बन गया. मंगलवार को आधुनिक अन्नदाता अभियान के तहत मृदा परीक्षण की ट्रेनिंग पाए अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह में सेहत के लिए नासूर बनी मौजूदा खेती में बदलाव का खाका भी खिंच गया. सरकार और प्रशासन के नुमाइंदों ने भी एक स्वर में स्वीकार किया कि हालात चिंताजनक हैं. कार्यक्रम में प्रमाण-पत्रों के साथ दस आधुनिक अन्नदाताओं को पूसा की ईजाद अत्याधुनिक एसटीएफआर मशीन सौंपी गई, जो रासायनिक प्रयोग से जहरीली हो रही मिट्टी की जांच में बेहद कारगर है.

## स्वस्थ मिट्टी बदलेगी तकदीर

भोजीपुरा स्थित श्री राममूर्ति इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में जिम्मेदार अफसरों, जनप्रतिनिधियों, सैकड़ों प्रधान, किसानों की मौजूदगी में यह भव्य आयोजन हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय संगठक (किसान मोर्चा, गोवंश विकास, नमामि गंगे अभियान, पंचायती राज) हृदय नाथ सिंह रहे. उन समेत विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री स्वामी चिन्मयानंद, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णाराज, कृषि एक्सपर्ट और प्रमुख उद्यमी जैसे दिग्गज भी जुटे. सभी ने मंच से एक स्वर में माना-'किसानों की तकदीर स्वस्थ मिट्टी ही बदल सकती है. इतना ही नहीं, भारत में प्राकृतिक खेती का युग लौटाने में भी क्रांतिकारी साबित होगा'.

आधुनिक अन्नदाता कार्यक्रम में जुटे किसान व मेहमान.

## इन्होंने भी माना लोहा

कमिश्नर पीवी जगन मोहन, आईवीआरआई के निदेशक डॉ. आरके सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय सिंह, रिलायंस के रोजा थर्मल पावर प्रोजेक्ट के यूनिट निदेशक बी प्रसाद, बीएल एग्रो के चेयरमैन घनश्याम खंडेलवाल, श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज ट्रस्ट से सचिव आदित्य मूर्ति ने भी आधुनिक अन्नदाता मुहिम देश की आर्थिक उन्नति में मील का पत्थर बताया.

## पूर्व गृहमंत्री चिन्मयानंद बोले, क्रांतिकारी परिवर्तन का मार्ग तैयार

## मार्गदर्शक बने हृदयनाथ सिंह

खेती में सुधार के लिए भविष्य का रोडमैप, घोषणाओं, संकल्प के बीच कार्यक्रम की जान रही वह सीख और चेतावनी जिस पर चलकर-समझकर पूरे देश की तरक्की संभव है. मुख्य अतिथि हृदयनाथ सिंह ने तो मौजूदा खेती के तरीके पर ही सवाल उठा दिए. बोले, खेती के प्रचलित तौर तरीकों को बदलना बहुत बड़ा काम है. बधाई देता हूं, दैनिक जागरण ने इस बारे में न केवल गंभीरता से सोचा, बल्कि उसे जमीन पर भी उतारा. तब जबकि खेती और किसानों से जुड़ी खबरें अमूमन अखबारों का हिस्सा नहीं बनती.